रोपण

वर्षाकाल में रोपण करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। 3मी0 X 3मी0 की स्पेसिंग पर रोपण करना उपयुक्त होता है।

समयबद्ध कार्यक्रम

क्र.स.	कार्य	वर्ष	माह
वर्धी प्रवर्धन			
1	स्वस्थ पौधों का चयन	–	कभी भी
2	स्वस्थ पौधों से कटिंग प्राप्त करना/लगाना	प्रथम वर्ष	फरवरी प्रथम सप्ताह
3	रूटेड कटिंग का रूट–ट्रेनरों/पॉलीथीन में प्रत्यारोण	प्रथम वर्ष	जुलाई–अगस्त
4	पौध का रखरखाव	द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण	द्वितीय वर्ष	जुलाई
बीज द्वारा पौध तैयार करना			
1	स्वस्थ व रोगमुक्त पौधों से बीज एकत्रीकरण	प्रथम वर्ष	जून
2	मिस्ट चैम्बर में बीज बुआई	प्रथम वर्ष	जून
3	अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण	प्रथम वर्ष	जुलाई–अगस्त
4	पौध का रखरखाव	प्रथम व द्वितीय वर्ष	–
5	रोपण कार्य	द्वितीय वर्ष	जुलाई

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

1– मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान
मो0– 9412076135, 05946–234047
2– वन संरक्षक , अनुसंधान वृत्त हल्द्वानी
मो0 9458192126, 0596–235136
3– वन वर्धनिक, पर्वतीय, उत्तराखण्ड, नैनीताल
मो0 09458192184, 05942–236270

अनुसंधान पत्रक 1/2015-16

गेंती
(Indopiptadenia audhensis)

पौध उत्पादन प्राविधि

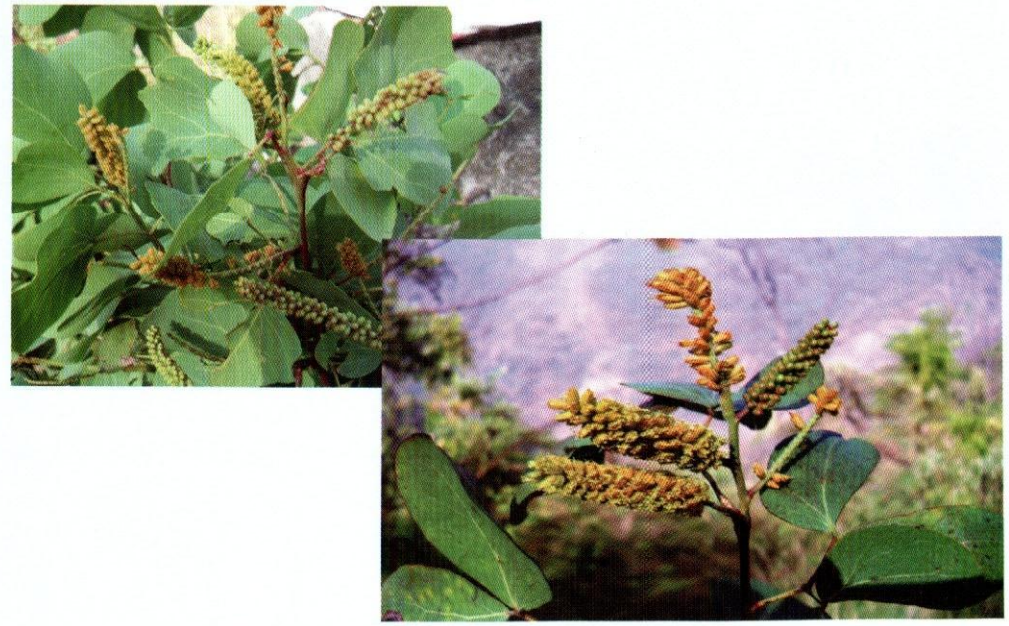

वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड, नैनीताल
उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी
वन विभाग, उत्तराखण्ड

गेंती
(Indopiptadenia audhensis)

परिचय

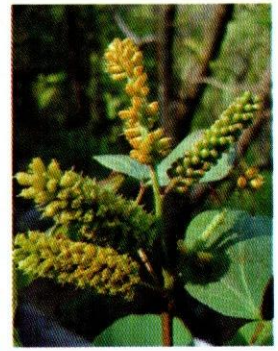

गेंती *(Indopiptadenia oudhensis)* मिमोसेसी कुल से संबंधित एक छोटा व मध्यम आकार का वृक्ष है जिसको स्थानीय भाषा में गेंती व हाथी पौला कहते हैं। यह स्थानीय एवं संकटापन्न वृक्ष है। यह कुमाऊँ हिमालय की निचली श्रेणीयों तथा नेपाल के उप हिमालयी क्षेत्रों में सामान्यतः 300 मी0 से 600 मी0 के मध्य पाया जाता है। इसमें पुष्पण अप्रैल से मई तथा फलन जून–जुलाई में होता है। आर्थिक दृष्टिकोण से यह एक महत्वपूर्ण प्रजाति है जिसका दोहन इमारती लकड़ी, चारे तथा औषधि निर्माण हेतु किया जाता है।

प्रवर्धन प्राविधि

गेंती का प्रवर्धन बीज तथा कटिंग द्वारा किया जा सकता है। बीज द्वारा इसका प्रवर्धन सरलता से किया जा सकता है।

वर्धी प्रवर्धन (कटिंग द्वारा पौध तैयार करना)

- स्वस्थ्य पौधों का चयन करें एवं फरवरी के प्रथम सप्ताह में शाखाओं से 10–15 सेमी0 लम्बी कटिंग तैयार करें।
- कटिंग को आई0बी0ए0 1000 पी0पी0एम0 से उपचारित कर मिस्ट चैम्बर में बालू माध्यम में रोपित करें।
- कटिंग में लगभग 30–35 प्रतिशत पौधों में रूटिंग प्राप्त होती है।
- जड़ युक्त पौधों का प्रत्यारोपण 9"x 6" के पॉलीबैग में मीडियम मिट्टी+वर्मीकम्पोस्ट+रेता (4:2:1) मीडियम में करते हैं।

बीज द्वारा पौध तैयार करना

उच्च गुणवत्ता के परिपक्व बीज स्वस्थ व रोग मुक्त पौधों से माह जून में एकत्र करते हैं। एकत्रित बीज को साफ कर सुखाते हैं। माह जून के तृतीय सप्ताह में बीज को 12 घंटे पानी में भिगाकर मिस्टचैम्बर के अन्दर जर्मिनेशन ट्रे में वर्मीकुलाईट में बुआई करते हैं। बुआई का कार्य ट्रे में लाइन बनाकर करते हैं। लगभग 3 सप्ताह में बीज में अंकुरण प्रारम्भ हो जाता है तथा इस विधि से लगभग 95–99 प्रतिशत अंकुरण 10–15 दिनों में प्राप्त होता है।

पौध प्रत्यारोपण

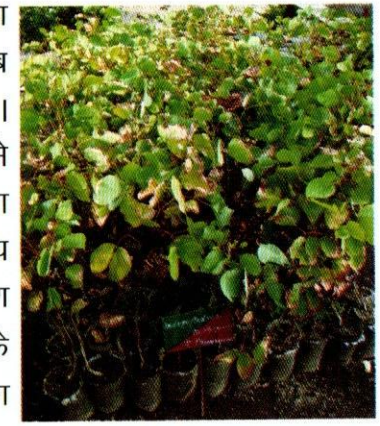

अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण जुलाई–अगस्त में किया जाना चाहिए, जब उसमें कम से कम 3–4 पत्तियॉ आ जाय। प्रत्यारोपण हेतु पौधों को जर्मीनेशन ट्रे से सावधानीपूर्वक निकालना चाहिए तथा प्रत्यारोपण के समय पौधे को कालर के बजाय पत्ते से पकड़ना चाहिए। प्रत्यारोपण 300सी0सी0 के रूट–ट्रेनर अथवा 9"x 6" के पॉलीबैग में शेड हाउस में करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। पॉटिंग मीडियम मिट्टी+वर्मीकम्पोस्ट+रेता (4:2:1) उपयुक्त पाया गया है। अगले वर्ष फरवरी–मार्च में पौधों को खुले स्थान पर रखना चाहिए तथा नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। लगभग 2 वर्ष में बीज द्वारा उगाये गये पौधे रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।